अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2015) | दिनांक 21.12.2015

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

जैन तत्त्वविद्या – 50

प्र.1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 15

(क) मधु लिपटी तलवार की धार के समान कौनसा कर्म है? (ख) अकषाय संवर क्या है?
(ग) एक कर्म (सात वेदनीय) का बंध कौन–कौन से गुणथान में होता है?
(घ) पर्युपासना के दस भेदों में 'विज्ञान' का अर्थ क्या है?
(ङ) किस राशि से जीवों का निर्यात तो होता है, पर आयात नहीं होता?
(च) अनंतानुबंधी चतुष्क से किसका अभिघात होता है? (छ) गुप्ति का क्या अर्थ है?
(ज) देवों के कितनी पर्याप्तियाँ मानी गयी हैं? देवों के कौनसी पर्याप्ति को एक माना गया है?
(झ) सम्यक्त्व के कितने लक्षण हैं नाम लिखें?
(ञ) देव व नारक गति के जीवों में कौनसा संहनन होता है?
(ट) अप्रत्याख्यान मान किसके समान है? (ठ) बालपंडितमरण कौन से गुणस्थान में होता है?
(ड) कम से कम कितने ज्ञान या अज्ञान हर संसारी प्राणी में होते हैं?
(ढ) मूढ़ता के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें। (ण) कर्म के चार कार्य कौन से हैं? नाम बतायें।
(त) गुणस्थान किसे कहते हैं? (थ) वस्तुबोध की कितनी दृष्टियाँ हैं, नाम लिखें।

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 15

(क) चारित्र के प्रकारों की व्याख्या करें। (ख) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष के प्रकारों की व्याख्या करें।
(ग) पुद्गल के कितने संस्थान हैं? परिभाषा सहित लिखें।
(घ) 'नैगमनय' और 'शब्द नय' की व्याख्या करें।

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखें – 20

(क) भाव किसे कहते हैं? भेदों की व्याख्या करें। (ख) व्यवहार के कितने प्रकार हैं? वर्णन करें।
(ग) प्रत्याख्यान के प्रकारों की व्याख्या करें। (घ) दर्शन के कितने आचार हैं, विस्तार से लिखें।

तत्त्वचर्चा – 30

प्र.4 किन्हीं पंद्रह प्रश्नों का उत्तर दें – 15

(क) अधर्म पुण्य या पाप? (ख) अरिहंत भगवान त्रस या स्थावर?
(ग) संवर छः में कौन? नौ में कौन? (घ) साधु तपस्या का पारणा करे, वह व्रत में या अव्रत में?
(ड.) पुद्गलास्तिकाय रूपी या अरूपी? (च) पाप छः में कौन? नौ में कौन?
(छ) सावद्य पुण्य या पाप? (ज) बंध जीव या अजीव?
(झ) नौ तत्त्वों में आज्ञा में कितने? आज्ञा के बाहर कितने? (ञ) आस्त्रव चोर या साहूकार?
(ट) पुण्य हेय या उपादेय? (ठ) सामायिक छह में कौन? नौ में कौन?
(ड) तुम्हारे में शरीर, उपयोग व जीव का भेद कौनसा?
(ढ़) तीन गुप्ति छह में कौन? नौ में कौन? (ण) कर्मों में पुण्य कितने? पाप कितने?
(त) चतुरिन्द्रिय संज्ञी या असंज्ञी? (थ) निर्जरा हेय या उपादेय?

प्र.5 कोई तीन चर्चा लिखें – 15

(क) पांच महाव्रत, पांच चारित्र, पांच समिति, धर्म, अधर्म छः में कौन? नौ में कौन?
(ख) कर्म पर चर्चा (ग) सावद्य पर चर्चा
(घ) नौ तत्त्व पर सावद्य–निरवद्य की चर्चा (ड.) विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्त्व

गीतिका – 20 (प्राणी समकित किण विध आई रे व दृढ़ समकित घर थोड़ला)

प्र.6 कोई तीन प्रश्न का उत्तर दें व पद्य भी लिखें? – 10

(क) शिवपुर के मार्ग कौन से हैं? (ख) कौन सी करणी से पाप लगता है?

(ग) सभी व्यक्ति पंडित नहीं होते? (घ) पाखंडियों की संगत करने से क्या होता है?

(ड़) दस प्रकार के मिथ्यात्व में से यदि एक भी प्रकार का मिथ्यात्व बाकी है तो उसमें कौनसा गुणस्थान बताया गया है?

(च) भगवान् महावीर के प्रमुख श्रावक कितने थे? दो के नाम लिखें।

प्र.7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 10

(क) 'तीर्थंकर चक्रवर्ती.....समकित जाण' (ख) 'सबनें लब्धि.....जमात'

(ग) 'न्याय री बात.....चतुराई रे' (घ) 'करण जोग.....नरक री सांई रे'